लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

INDIA HAS ALWAYS BEEN A STRONG PROPONENT OF MULTILATERALISM: LOK SABHA SPEAKER/भारत हमेशा से ही बहुपक्षवाद का प्रबल समर्थक रहा है: लोक सभा अध्यक्ष

…

FRUITS OF TECHNOLOGICAL ADVANCEMENTS, SCIENTIFIC RESEARCH AND INNOVATION MUST BE SHARED EQUITABLY AND LEVERAGED RESPONSIBLY: LOK SABHA SPEAKER/तकनीकी प्रगति, वैज्ञानिक शोध और नवाचार के लाभ सबको समान रूप से मिलने चाहिए और इनका उपयोग जिम्मेदारी से किया जाना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

…

INDIA'S EXPERIENCE IN LEVERAGING GREEN TECHNOLOGY TO ADDRESS CLIMATE CHANGE IS ILLUSTRATIVE: LOK SABHA SPEAKER/जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए हरित प्रौद्योगिकी के उपयोग में भारत का अनुभव उल्लेखनीय रहा है: लोक सभा अध्यक्ष

…

INDIA HAS MADE UNPRECEDENTED USE OF TECHNOLOGY FOR DELIVERY OF PUBLIC SERVICES AND ENSURING GOOD GOVERNANCE WITH TRANSPARENCY AND ACCOUNTABILITY: LOK SABHA SPEAKER/भारत ने आमजन को सेवाएं प्रदान करने तथा पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ सुशासन सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी का अभूतपूर्व उपयोग किया है: लोक सभा अध्यक्ष

…

DIGITISATION OF PUBLIC DELIVERY SERVICES AND FINANCIAL INCLUSION HAVE ENSURED TRANSPARENCY AND ACCOUNTABILITY OF GOVERNANCE IN INDIA: LOK SABHA SPEAKER/जनसाधारण को दी जाने वाली सेवाओं के डिजिटलीकरण और वित्तीय समावेशन से भारत में शासन की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है: लोक सभा अध्यक्ष

...

LOK SABHA SPEAKER CALLS FOR REGULATORY SYSTEM IN THE FIELD OF TECHNOLOGY AND AI FOR SAFEGUARDING DATA PRIVACY/लोक सभा अध्यक्ष ने डाटा गोपनीयता की सुरक्षा के लिए प्रौद्योगिकी और एआई के क्षेत्र में विनियामक प्रणाली की स्थापना की बात की

...

DIGITAL PARLIAMENT APPLICATION HAS NOT ONLY MADE THE PARLIAMENT PAPERLESS BUT ALSO ENHANCED EFFICIENCY OF PARLIAMENT BY USING INFORMATION TECHNOLOGY AND AI: LOK SABHA SPEAKER/डिजिटल संसद एप्लीकेशन से न केवल संसद पेपरलेस हुई है, बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी और एआई के उपयोग से संसद की दक्षता भी बढ़ी है: लोक सभा अध्यक्ष

...

LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES IPU ASSEMBLY IN GENEVA ON "HARNESSING SCIENCE, TECHNOLOGY AND INNOVATION FOR A MORE PEACEFUL AND SUSTAINABLE FUTURE."/ लोक सभा अध्यक्ष ने जिनेवा में आईपीयू एसेम्बली में "शांतिपूर्ण और सुरक्षित भविष्य के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार का उपयोग" विषय पर सभा को संबोधित किया

...

Geneva/New Delhi; 14 October, 2024: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla, who is leading an Indian Parliamentary Delegation to 149th Assembly of Inter-Parliamentary Union (IPU) in Geneva, addressed the Assembly on the theme

"Harnessing science, technology and innovation for a more peaceful and sustainable future.", today.

In his address, Shri Birla illuminated the pressing global challenges of present time, presenting India's perspective with clarity. Emphasizing that India has always been a strong proponent of multilateralism, he noted that dialogue and cooperation amongst Parliaments in the field of science, technology and innovation was vital for common good. He expressed hope that through the forum like the IPU, Parliaments would be able to pave the way for inclusive development in the world through shared action plans and joint efforts. He was unequivocal in stating that the collective endeavour of Parliaments across the world should be to in place to ensure fair and equitable distribution of the benefits of science, technology and innovation in the world. He called for convergence of technological advancements, scientific research and innovative approaches so that the fruits of such advancements were shared equitably and leveraged responsibly to build a future that is inclusive, resilient and peaceful.

Speaking on climate change and energy security, Shri Birla referred to the idea of ONE SUN, ONE WORLD, ONE GRID – "OSOWOG", initiated by Prime Minister, Shri Narendra Modi. In the last decade, India's renewable energy capacity has increased from 76 GW to 203 GW, he added. He also spoke about the initiatives like Green Hydrogen Mission, International Solar Alliance, Bio-Fuel Alliance underscoring India's commitment to address climate change. Mentioning the steps taken by the Parliament in this regard, he noted that the issues of climate change and Sustainable Development Goals had been discussed at length in Parliament. He also noted that utmost use of green technology had been ensured in the construction of the new building which speaks of our commitment to green energy.

Mentioning about India's thrust on science, technology and innovation, Shri Birla noted with pride that India had given special incentives to innovation, technology and entrepreneurship under Start-up India programme. With 118 Unicorns, with valuation of more than US $ 355 billion, India had become the third largest start-up nation in the world, he added. Referring to India's unprecedented use of technology for delivery of public services, he illustrated how digitisation of financial services and financial inclusion through JAM Trinity of Jan Dhan, Aadhar and Mobile financial benefits of 2 trillion 495 bllion INR had been transferred through DBT-Direct Benefit Transfer to the bank accounts of

beneficiaries under 314 public welfare schemes, ensuring transparency and accountability in governance.

Stressing on the need for an appropriate regulatory system in the field of technology, safeguarding data privacy of citizens, ensuring proper use of AI and equitable sharing of the benefits of technology, Lok Sabha Speaker urged that such pressing issues needed to be discussed in the IPU forum as well as in national Parliaments. In this regard, he informed that the Parliament of India had held extensive discussions in the past few years and passed several bills related to technology, science and environment such as The Digital Personal Data Protection Bill, The Telecommunications Bill, The Energy Protection Bill, and The Biological Diversity Bill amongst others. He also informed that the Digital Parliament Application in the Parliament of India has not only made the Parliament paperless but also enhanced the efficiency of the Parliament by using Information Technology and Artificial Intelligence (AI). It has brought all the Members, all the Ministries of Government of India and all the stakeholders on a single integrated platform.

The IPU is the global organization of national parliaments. It was founded in 1889 as the first multilateral political organization in the world, encouraging cooperation and dialogue between all nations. Today, the IPU comprises 180 national Parliaments and 15 regional parliamentary bodies. It promotes democracy and helps parliaments develop into stronger, younger, greener, more gender-balanced and more innovative institutions.

जिनेवा/नई दिल्ली; 14 अक्तूबर, 2024: जिनेवा में अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की 149वीं एसेम्बली में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज "शांतिपूर्ण और सुरक्षित भविष्य के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार का उपयोग" विषय पर सभा को संबोधित किया।

अपने संबोधन में, श्री बिरला ने वर्तमान समय की कुछ महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए इस पर भारत का दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से रखा। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत हमेशा से बहुपक्षवाद का प्रबल समर्थक रहा है, श्री बिरला ने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में संसदों के बीच व्यापक संवाद और सहयोग मानव कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आईपीयू जैसे मंच के

माध्यम से, संसदें साझी कार्य योजनाओं और साझे प्रयासों के द्वारा सम्पूर्ण विश्व के लिए समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त करने में सफल होंगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विश्व की सभी संसदों को मिलकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के लाभों का उचित और न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने तकनीकी प्रगति, वैज्ञानिक शोध और नवाचार को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया ताकि इस प्रगति का लाभ सभी को समान रूप से मिल सके और इसका उपयोग जिम्मेदारी के साथ समावेशी और शांतिपूर्ण भविष्य के निर्माण के लिए किया जा सके।

जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए, श्री बिरला ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई “One Sun, One World, One Grid”- "ओएसओडब्ल्यूजी" की पहल का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता 76 गीगावाट से बढ़कर 203 गीगावाट हो गई है। उन्होंने ग्रन हाइड्रोजन मिशन, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, बायो फ्यूल गठबंधन जैसी पहलों के बारे में भी बात की, जो जलवायु परिवर्तन की समस्या के समाधान के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। इस संबंध में संसद द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और सतत विकास लक्ष्यों के मुद्दों पर संसद में विस्तार से चर्चा की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि नए भवन के निर्माण में हरित प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया गया है, जो हरित ऊर्जा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत द्वारा विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार को दी जा रही प्राथमिकता का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने गर्व के साथ कहा कि भारत में स्टार्ट-अप इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत नवाचार, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 355 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य वाले 118 यूनिकॉर्न के साथ, आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप राष्ट्र बन गया है। आमजन को सेवाएं प्रदान करने में भारत में प्रौद्योगिकी के अभूतपूर्व उपयोग के बारे में बात करते हुए, श्री बिरला ने बताया कि कैसे जन धन, आधार और मोबाइल की JAM ट्रिनिटी के माध्यम से वित्तीय सेवाओं के डिजिटलीकरण और वित्तीय समावेशन के द्वारा 314 सार्वजनिक कल्याण योजनाओं के

तहत 2 ट्रिलियन 495 बिलियन रुपये के वित्तीय लाभ DBT-डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों मे अंतरित किए गए हैं, जिससे शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है।

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक उपयुक्त नियामक प्रणाली, नागरिकों की डाटा गोपनीयता की सुरक्षा, एआई के उचित उपयोग और प्रौद्योगिकी के लाभों को समान रूप से साझा करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने आग्रह किया कि ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर आईपीयू मंच के साथ-साथ राष्ट्रीय संसदों में भी चर्चा की जानी चाहिए। इस संबंध में, उन्होंने बताया कि भारत की संसद ने पिछले कुछ वर्षों में व्यापक चर्चा के बाद प्रौद्योगिकी, विज्ञान और पर्यावरण के क्षेत्र में डिजिटल निजी डाटा संरक्षण विधेयक, दूरसंचार विधेयक, ऊर्जा संरक्षण विधेयक और जैव विविधता विधेयक आदि जैसे कई विधेयक पारित किए हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि भारत की संसद में डिजिटल संसद एप्लिकेशन से न केवल संसद को पेपरलेस बनाया गया है, बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग से संसद की दक्षता को भी बढ़ाया गया है। इससे सभी सदस्यों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और सभी हितधारकों को एक एकीकृत मंच पर लाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि कीवर्ड, मेटा डेटा और उन्नत खोज की एआई सुविधाओं की मदद से संसद से संबंधित डाटा को और अधिक उपयोगी बनाया जा रहा है।

अंतर संसदीय संघ राष्ट्रीय संसदों का वैश्विक संगठन है। इसकी स्थापना 1889 में दुनिया के पहले बहुपक्षीय राजनीतिक संगठन के रूप में की गई थी। यह संघ सभी देशों के बीच सहयोग और संवाद को प्रोत्साहित करता है। आज, IPU में 180 देशों की संसदें और 15 क्षेत्रीय संसदीय निकाय शामिल हैं। यह संघ लोकतंत्र को बढ़ावा देने के साथ ही संसदों को अधिक सशक्त, युवा, हरित, महिलाओं के प्रति संवेदनशील और नवाचार के प्रति उन्मुख संस्थाओं के रूप में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।